

तारीख हुदम

हुदम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जग

लिखी जा रही। प्रकरण में पहल कहील
वापी कुली जर्द। दौराने बहस कहील वापी
ने अपने वादक में अंतिम तर्कों के दोह-
राते हुए मुताबिक अनुमोष दावा सिद्धि क-
सामा जन्मे का निवेदन किया।

पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व
रेकार्ड एवं फरलावेजात का अवलोकन किया
गया। अंतिम वादी के पहचान के फरलावेजात
मध्य मतदाता पहचान पत्र, परिवार राशन कार्ड,
आधार कार्ड आदि में वादी का नाम "बिरजू
सिंह पुत्र मूलसिंह" दर्ज है। स्वयं ही
सरपंच ग्राम पंचायत ने भी इस तथ्य की
ताहिल की है कि बिरजू सिंह पुत्र मूलसिंह व
बृजमोहन सिंह पुत्र मूलसिंह एक ही व्यक्ति
के दो नाम हैं। अतः उक्त तर्कों के आलोक
में वाद, वादी स्वीकार किया जाकर घोषणा की
जाती है कि :-

आदेश

तम ग्राम दत्तावास तहसील जयपुर जिला सीकर
(राज) अवस्थित प्लॉट नं 276, 277, 281, 282,
283 रकबा 5.18 है में से वादी के नाम दर्ज
हिस्सा में वादी का नाम "बृजमोहनसिंह पुत्र
मूलसिंह" के स्वयं पर "बिरजूसिंह पुत्र
मूलसिंह" फर्कत किया जाता है। उक्तानुसार
राजस्व रेकार्ड में अमल करामद ही तथा तफ्तीकार
पर्चा सिद्धि जारी हो। पत्रावली केसल सुमान होकर
नम्बर से इस ही तथा वाद तहसील दाखिल
दफ्तर हो। निर्णय आज दिनांक 01/01/2020 के
सुले न्यायालय में सुनाया गया।

(रणजीत सिंह)

उपाखण्ड अधिकारी
खण्डेला (सीकर)

* जाति राजपूत विकासी तम ग्राम बल्लानास
तहासील खण्डेला जिला सीकर (राज.) (वादी)



* दुकस्त डिफा जाग है। उक्त गुरुवार राजस्व
रेकार्ड में अमल परामद हो।

(रणजीत सिंह)
उपखण्ड अधिकारी
खण्डेला (सीकर)